आईआईटी-आईआईएम में 'आनंदम'

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, योग और काउंसलिंग से तनाव दूर करने पर होगा फोकस

सीमा शर्मा

नई दिल्ली। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत सभी शिक्षण संस्थानों में सेंटर फॉर हेपीनेस यानी आनंदम बनेंगे। आगामी सत्र में आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम में ऐसे सेंटर खुलेंगे। यहां शिक्षा और रोजगार से जोड़ने के अलावा तनाव दूर करने पर भी काम होगा।

नई शिक्षा नीति के तहत ही आईआईएम जम्मू में पहला सेंटर फॉर हेपीनेस बन गया है। यहां छात्रों, शिक्षकों और कर्मियों को खुश रहने के तरीके सिखाने और तनाव दूर करने के लिए विशेष कक्षाओं से जोड़ा जाएगा। इसमें आर्ट ऑफ लिविंग भी मदद करेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि नई शिक्षा नीति में पढ़ाई, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के साथ ही छात्रों और शिक्षकों का तनाव दूर करने पर फोकस होगा। वैश्विक महामारी कोरोना और अच्छी शिक्षा के साथ रोजगार को लेकर हर छात्र, शिक्षक और अभिभावक परेशान है।

पहले सिर्फ पढ़ाई पर फोकस होता था, लेकिन अब गुणवत्तायुक्त शिक्षा और कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार से जोड़ने पर काम होगा।

जिंदगी की भागमभाग का तनाव भी दूर किया जाएगा। इसीलिए सेंटर फॉर हैपीनेस आनंदम का मसौदा बनाया गया है। ऐसे सेंटर स्कूल और उच्च शिक्षा के छात्रों को तनाव दूर कर आगे बढ़ने में मदद करेंगे।

आगामी सत्र में एनआईटी में भी खुलेंगे सेंटर फॉर हेपीनेस केंद्र

मानसिक स्वास्थ्य सबसे जरूरी

शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक फिटनेस बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस सेंटर में मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के हर पहलू पर काम होगा। पहले वर्ष दाखिला लेने वाले और आखिरी वर्ष पासआउट होने वाले छात्रों को विशेषकर इस सेंटर से जोड़ा जाएगा।

हकेंवि के 9 विद्यार्थियों का ट्रेनिंग के लिए हुआ चयन

औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए चयनित हकेंवि के विद्यार्थी। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के नौ विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित एक पांच सितारा होटल में औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया के द्वारा चयन हुआ है।

कुलपति ने विद्यार्थियों को दीं शुभकामनाएं

विद्यार्थियों के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के द्वारा विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ उसकी बारीकियों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कुलपति ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूलभूत उद्देश्यों को होटल प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रम चरितार्थ करने का काम सुचारु रूप से कर रहे है। होटल प्रबंधन पाठ्यक्रम में सम्माहित अकादमिक एवं औद्योगिक आयामों का समन्वय विद्यार्थियों को अपने चहुमुखी विकास हेतु प्रेरित करता है। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से हुआ। उन्होंने बताया कि होटल, नई दिल्ली का प्रतिष्ठित होटल है जो विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के समय उनके सर्वांगीण विकास हेतु पूर्ण रूप से सेवारत रहता है। रैडिसन ब्लू होटल, नई दिल्ली के मानव संसाधन शाखा के प्रबंधक अनुराग शर्मा ने बताया की विभाग के सभी विद्यार्थी साक्षात्कार के समय बेहद ही सुनियोजित रूप से उपस्थित रहे एवं अपनी प्रतिभा का बेहद की सकारात्मक रूप से प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विभाग के अध्यापकों शिखा, विकास मोहन, विकास सिवाच एवं डॉ. दिलबाग सिंह मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय संसाधन और ज्ञान साझा राष्ट्र की प्रगति में सहायक : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ मं स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो रणवीर सिंह के संयोजन में वर्ष 2019 में शुरू 2 वर्षीय एम. एससी. योग पाठ्यक्रम पहला बैच जून 2021 में पूर्ण होगा। पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। योग विभाग द्वारा विद्यार्थियों का एक दल 25 मार्च को गुरुकुल कांगड़ी विवि हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। यह दल वहां योग के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण लेगा। कुहाड़ ने कहा कि विवि अपने संसाधनों और ज्ञान को दूसरों के साथ साझा कर विद्यार्थी, शोद्यार्थी, शिक्षक, समाज और राष्ट्र की प्रगति में सहायक बनते हैं। डॉ. अजयपाल ने बताया कि प्रथम सत्र से लेकर चतुर्थ सत्र तक विद्यार्थियों को विवि के आचार्यों के अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के योग आचार्यों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। विवि में योग में एम. एससी की 15 सीटें हैं और पी.एचडी. के दो शोधार्थी शोधरत हैं। योग विभाग में एमएससी में प्रवेश के लिए केंद्रीय विवि संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है। जिसके द्वारा पात्र उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाता है। इसके लिए अधिसूचना विवि की वेबसाइट पर दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को करने के पश्चात जो विद्यार्थी योग में अनुसंधान करना चाहते हैं, वह चिकित्सा विश्वविद्यालयों, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली, रोहतक, ऋषिकेश और पीजीआई चंडीगढ़ से शोध कर सकते हैं।

ज्ञान साझा कर राष्ट्र की प्रगति में सहायक होते हैं विवि : प्रो. कुहाड़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग के विद्यार्थी गुरुकुल कांगड़ी विवि में प्रशिक्षण के लिए भेजे गए

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में और स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह के संयोजन में वर्ष 2019 में शुरू दो वर्षीय एमएससी. योग पाठ्यक्रम का पहला बैच जून 2021 पूरा होगा।

इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को योग के सभी अंगों का सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान, विज्ञान के आधार पर दिया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विद्यार्थी स्वयं का, परिवार का, समाज का और राष्ट्र के में योगदान दें पाएंगे।

विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए एक दल 25 मार्च को गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। वहां यह दल योग के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण लेकर वापस 5 अप्रैल को विश्वविद्यालय में दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव को साझा करेंगे। प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों और ज्ञान को दूसरों के साथ साझा कर विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, समाज और राष्ट्र की प्रगति में सहायक बनते हैं।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने योग विभाग के विद्यार्थियों के लिए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अजयपाल ने बताया कि योग पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम सत्र से लेकर चतुर्थ सत्र तक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के आचार्यों के अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के योग के आचार्यों को अतिथि व्याख्याता के रूप में बुलाकर प्रशिक्षित किया गया है।

प्रो. सतीश कुमार की अध्यक्षता एवं प्रो. रविंद्र पाल अहलावत, संयोजक योग विभाग, डॉ. अजय पाल, सहायक आचार्य एवं शिक्षक प्रभारी व डॉ. रवि कुमार सहायक आचार्य, अतिथि व्याख्याता के सहयोग से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। योग विभाग में एम.एससी. के 15 सीटें हैं और पी.एचडी. के दो शोधार्थी शोधरत हैं। योग विभाग में एम.एससी. में प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। जिसके द्वारा पात्र उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाता है।

इसके लिए अधिसूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को करने के पश्चात जो विद्यार्थी योग में अनुसंधान करना चाहते हैं, वह चिकित्सा विश्वविद्यालयों, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली, रोहतक, ऋषिकेश और पीजीआई चंडीगढ़ जैसे संस्थानों से शोध कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान श्रृंखला का समापन

महेंद्रगढ़ ,एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में समान अवसर प्रकोष्ठ के तहत रेमेडियल कोचिंग स्कीम द्वारा सामाजिक विज्ञान में पद्धतिशास्त्र पर आधारित दो सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि शोध से ही हम सामाजिक समस्याओं का निदान कर सामाजिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। इस प्रयास में इस तरह के आयोजन दिशा प्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं। हम समय-समय पर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए ऐसे आयोजन करते रहते हैं। विश्वविद्यालय में इस योजना के समन्वयक डॉ. युद्धवीर जैलदार ने बताया कि इस

योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की अध्ययन में रूचि को प्रोत्साहित करना है। इस व्याख्यान श्रृंखला में कुल आठ व्याख्यानों का आयोजन हुआ जिनमें महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान; मुम्बई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. पी.एस. विवेक; चौधरी चरण सिंह, मेरठ के प्रो. जे.के. पुंडीर; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के पुस्तकालय विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वाईन; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राधेश्याम; समाजशास्त्र विभाग की डॉ. नीरजा अहलावत और इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर एस. धनखड़ ने अपने व्याख्यानों से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। योजना के संयोजक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों के कल्याण के लिए भविष्य में भी इस तरह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में विभिन्न विभागों के 102 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान श्रृंखला का समापन

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में समान अवसर प्रकोष्ठ के तहत रेमेडियल कोचिंग स्कीम द्वारा सामाजिक विज्ञान में पद्धतिशास्त्र पर आधारित दो सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि शोध से ही हम सामाजिक समस्याओं का निदान कर सामाजिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। इस प्रयास में इस तरह के आयोजन दिशा प्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं। हम समय-समय पर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए ऐसे आयोजन करते रहते हैं।

विश्वविद्यालय में इस योजना के समन्वयक डॉ. युद्धवीर जैलदार ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की अध्ययन में रूचि को प्रोत्साहित करना है। इस व्याख्यान श्रृंखला में कुल आठ व्याख्यानों का आयोजन हुआ जिनमें महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान; मुम्बई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. पी.एस. विवेक; चौधरी चरण सिंह, मेरठ के प्रो. जे.के. पुंडीर; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के पुस्तकालय विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वाईन; महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राधेश्याम; समाजशास्त्र विभाग की डॉ. नीरजा अहलावत और इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर एस. धनखड़ ने अपने व्याख्यानों से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। योजना के संयोजक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों के कल्याण के लिए भविष्य में भी इस तरह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में विभिन्न विभागों के 102 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला का समापन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में समान अवसर प्रकोष्ठ के तहत रेमेडियल कोचिंग स्कीम द्वारा सामाजिक विज्ञान में पद्धतिशास्त्र पर आधारित दो सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला बृहस्पतिवार को संपन्न हो गई।

प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि शोध से ही हम सामाजिक समस्याओं का निदान कर सामाजिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। इस प्रयास में इस तरह के आयोजन दिशा प्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं। हम समय-समय पर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए ऐसे आयोजन करते रहते हैं। विश्वविद्यालय में इस योजना के समन्वयक डा. युद्धवीर जैलदार ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि को प्रोत्साहित करना है।

व्याख्यान श्रृंखला में कुल आठ व्याख्यानों का आयोजन हुआ, जिनमें महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान, मुम्बई विवि के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. पीएस विवेक, चौधरी चरण सिंह, मेरठ के प्रो. जेके पुंडीर, महर्षि दयानन्द विवि, रोहतक के पुस्तकालय विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वाइन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राधेश्याम, समाजशास्त्र विभाग की डा. नीरजा अहलावत और इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर एस धनखड़ ने व्याख्यान दिए। योजना के संयोजक डा. विनोद कुमार ने बताया कि इस श्रृंखला में 102 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

****

‘कार्यशाला से मिले ज्ञान का लाभ शोध के क्षेत्र में लें’

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि प्रतिभागी कार्यशाला के माध्यम से मिले ज्ञान का लाभ भविष्य में शोध के क्षेत्र में लें। अपने शिक्षण संस्थान, समाज, देश, विश्व की बेहतरी के लिए करें। प्रो. आरसी कुहाड़ हकेंवि में गणित और सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला का समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध, प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी उपलब्ध कराई।

विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग और सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला के संदर्भ में सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने एक विस्तृत रिपोर्ट समापन सत्र में प्रस्तुत की। जिसमें उन्होंने विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, प्रो. विजय कुमार, डॉ. अशोक जांगिड़, डॉ. श्रीकांथा और डॉ. उज्ज्वल कंधारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत 18 तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ जिनमें चार-चार सत्र मैपल, मैटलैब और आर सॉफ्टवेयर्स पर केंद्रित रहे जबकि छह सत्र एसपीएसएस पर आधारित रहे। समापन सत्र में स्वागत भाषण डॉ. सुनील कुमार से प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के डॉ. प्रमोद कुमार ने दिया। इस अवसर पर आयोजन के संयोजक डॉ. राजेश कुमार गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व कार्यशाला में शामिल विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी भी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में समान अवसर प्रकोष्ठ के तहत रेमेडियल कोचिंग स्कीम द्वारा सामाजिक विज्ञान में पद्धतिशास्त्र पर आधारित दो सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि शोध से ही हम सामाजिक समस्याओं का निदान कर सामाजिक विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। इस प्रयास में इस तरह के आयोजन दिशा प्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं। हम समय-समय पर विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए ऐसे आयोजन करते रहते हैं। विश्वविद्यालय में इस योजना के समन्वयक डॉ. युद्धवीर जैलदार ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि को प्रोत्साहित करना है। इस व्याख्यान श्रृंखला में कुल आठ व्याख्यान का आयोजन हुआ जिनमें महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. खजान सिंह सांगवान, मुंबई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. पीएस विवेक, चौधरी चरण सिंह, मेरठ के प्रो. जेके पुंडीर, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के पुस्तकालय विभाग के प्रो. निर्मल कुमार स्वादन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. राधेश्याम, समाजशास्त्र विभाग की डॉ. नीरजा अहलावत और इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर एस. धनखड़ ने अपने व्याख्यानों से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। योजना के संयोजक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों व शोधार्थियों के कल्याण के लिए भविष्य में भी इस तरह की व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में विभिन्न विभागों के 103 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। संवाद

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
25 Mar 2021

हकेंवि में शहीदी दिवस पर हुआ विशेष आयोजन

महेंद्रगढ़। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर व शिवराम हरि राजगुरु के बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेष आयोजन हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कुलपति ने इस अवसर पर उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान नहीं भूलेगा हिंदुस्तान।

हकेंवि में गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित कार्यशाला

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला का समापन हो गया। इस कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी उपलब्ध कराई। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का संदेश पढ़ते हुए शिक्षा पीठ की प्रोफेसर सारिका शर्मा ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इस कार्यशाला के माध्यम से मिले ज्ञान का लाभ प्रतिभागी वर्तमान व भविष्य में शोध के क्षेत्र में करेंगे और अपने शिक्षण संस्थान, समाज, देश व विश्व की बेहतरी के लिए करेंगे।

हकेंवि में गणित और सांख्यिकी टूल पर केंद्रित कार्यशाला संपन्न

महेंद्रगढ़| हकेंवि में बुधवार को गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले टूल्स के विषय में जानकारी दी। कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का संदेश पढ़ते हुए शिक्षा पीठ की प्रो सारिका शर्मा ने कहा उन्हें भरोसा है कि कार्यशाला से मिले ज्ञान का लाभ प्रतिभागी वर्तमान व भविष्य में शोध के क्षेत्र में करेंगे। सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कपिल कुमार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसमें प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, प्रो. विजय कुमार, डॉ. अशोक जांगिड़, डॉ. श्रीकांथा और डॉ. उज्ज्वल कंधारी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कार्यशाला के अंतर्गत 18 तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ जिनमें 4-4 सत्र मैपल, मैटलैब और आर सॉफ्टवेयर्स पर केंद्रित रहे।

पंजाब केसरी
WED,24 MARCH 2021
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

'आजादी के दीवानों का बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान : प्रो. आर.सी. कुहाड़'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शहीदी दिवस पर हुआ विशेष आयोजन

महेंद्रगढ़, 23 मार्च (मोहन, परमजीत): भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर व शिवराम हरि राजगुरु के बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ मे विशेष आयोजन हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कुलपति ने इस अवसर पर उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय समुदाय को शहीदों के प्रति सम्मान व आदर का भाव रखते हुए उनके परिवारजनों के हित में काम करने के लिए प्रेरित किया।

शहीदी दिवस के अवसर पर विद्या वीरता स्थल पर शहीदों को श्रद्धसुमन अर्पित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर कहा कि न सिर्फ आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों का बलिदान महत्त्वपूर्ण है साथ ही सीमा पर देश की एकता, अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले वीर सैनिकों का योगदान भी अद्वितीय है। आज हम इन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों व जवानों के कारण स्वतंत्र हवा में साँस ले पा रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर सैनिकों के परिवारजनों के सहयोग हेतु सभी को आगे आने के लिए कहा और योजनागत तौर पर काम करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता की ओर से शहीदी दिवस के मौके पर भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर मे जारी आजादी का अमृत महोत्सव को केंद्र में रखते हुए विशेष ऑनलाइन चर्चा का भी आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा व डॉ. मोनिका ने बताया कि शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष चर्चा का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को स्वतंत्रता संग्राम में शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु सरीखे क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान व देशप्रेम के भाव का पुन:स्मरण कराना था।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के निर्देशन व मार्गदर्शन में विधि विभाग के प्रो. राजेश कुमार मलिक, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर दलाल, जैवप्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. सतीश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, सहआचार्य डॉ. मोनिका, डॉ. रमेश कुमार आदि ने विस्तार से प्रतिभागियों को आजादी के आंदोलन में वीर शहीदों के योगदान से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति ने भी सभी को देश की सेवा के लिए तत्पर रहने व देशप्रेम का भाव सदैव मन में बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मंगलवार को आयोजित विशेष आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

आजादी के दीवानों का बलिदान याद रखेगा हिन्दुस्तान- प्रो. आर.सी. कुहाड़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शहीदी दिवस पर हुआ विशेष आयोजन

विद्या वीरता स्थल पर पुष्प किए अर्पित, विशेष चर्चा आयोजित

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप खालरोटिया) भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद श्री भगत सिंह जी, श्री सुखदेव थापर जी व श्री शिवराम हरि राजगुरु के बलिदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ मे विशेष आयोजन हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विश्वविद्यालय स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर जवानों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कुलपति ने इस अवसर पर उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय समुदाय को शहीदों के प्रति सम्मान व आदर का भाव रखते हुए उनके परिवारजनों के हित में काम करने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर कहा कि न सिर्फ आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों का बलिदान महत्त्वपूर्ण है साथ ही सीमा पर देश की एकता, अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले वीर सैनिकों का योगदान भी अद्वितीय है। आज हम इन्हीं स्वतंत्रता सेनानियों व जवानों के कारण स्वतंत्र हवा में साँस ले पा रहे हैं। कुलपति ने इस अवसर पर सैनिकों के परिवारजनों के सहयोग हेतु सभी को आगे आने के लिए कहा और योजनागत तौर पर काम करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता की ओर से शहीदी दिवस के मौके पर भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर मे जारी आजादी का अमृत महोत्सव को केंद्र में रखते हुए विशेष ऑनलाइन चर्चा का भी आयोजन किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा व डॉ. मोनिका ने बताया कि शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष चर्चा का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को स्वतंत्रता संग्राम में शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु सरीखे क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान व देशप्रेम के भाव का पुन:स्मरण कराना था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के निर्देशन व मार्गदर्शन में विधि विभाग के प्रो. राजेश कुमार मलिक, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. राजबीर दलाल, जैवप्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. सतीश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता, सहआचार्य डॉ. मोनिका, डॉ. रमेश कुमार आदि ने विस्तार से प्रतिभागियों को आजादी के आंदोलन में वीर शहीदों के योगदान से अवगत कराया।

इस अवसर पर कुलपति ने भी सभी को देश की सेवा के लिए तत्पर रहने व देशप्रेम का भाव सदैव मन में बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मंगलवार को आयोजित विशेष आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी व शिक्षणेतर कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

नया कोर्स

120 घंटों का होगा यह कोर्स, इस कोर्स को करने पर मिलेंगे आठ क्रेडिट अंक, प्रस्तावित कोर्स में छात्रों को पेशेवर, प्रबंधन और नेतृत्व से भी जुड़ा प्रशिक्षण मिलेगा

पढ़ाई के साथ विवि में मिलेगी त्याग और सेवाभाव की भी सीख

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

- छात्रों को अंडरग्रेजुएट स्तर से ही दी जाएगी जीवन कौशल की सीख, यूजीसी ने तैयार किया पाठ्यक्रम,

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की फाइल फोटो।

विश्वविद्यालय अब सिर्फ छात्रों के शैक्षणिक प्रगति के ही सहयोगी नहीं होंगे, बल्कि वह उनके पूरे व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने फिलहाल इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत छात्रों को अब स्नातक पर ही संबंधित कोर्सों के साथ जीवन कौशल की भी शिक्षा दी जाएगी। जिसमें उन्हें बातचीत का तरीका, पेशेवर कौशल, नेतृत्व और प्रबंधन क्षमता के विकास के साथ सत्य, अहिंसा, त्याग और सेवाभाव जैसे मानव मूल्यों से जोड़ा जाएगा। हालांकि विश्वविद्यालयों में इसे कब से लागू करना है, इसे लेकर अभी मंथन चल रहा है।

यूजीसी फिलहाल छात्रों के समग्र विकास के लिए जीवन कौशल से जुड़े कोर्सों को जल्द शुरू करने को लेकर उत्साहित है। यही वजह है कि इससे जुड़े पूरे कोर्स का फ्रेमवर्क तैयार कर दिया है। फिलहाल यह अंडर ग्रेजुएट स्तर पर विश्वविद्यालयों में अनिवार्य होगा। जो कुल 120 घंटे का कोर्स होगा। इसकी पढ़ाई करने पर छात्रों को आठ क्रेडिट अंक भी मिलेंगे।

यूजीसी के मुताबिक इन कोर्सों को लेकर जल्द ही शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। खासबात यह है कि यूजीसी ने यह पहल नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद उठाया है, जिसमें पढ़ाई के साथ छात्रों के समग्र विकास पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई गई है।

अंडर ग्रेजुएट स्तर पर सभी छात्रों के लिए अनिवार्य: यूजीसी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, अंडर ग्रेजुएट स्तर पर सभी छात्रों के लिए यह कोर्स अनिवार्य होगा। साथ ही इसका फायदा भी छात्रों को जीवन में मिलेगा। मौजूदा समय में बड़ी संख्या में ऐसे छात्र देखने को मिलते है, जिन्हें स्नातक की पढ़ाई करने के बाद भी किसी विषय पर लिखने या बोलने में झिझक महसूस होती है। साथ ही समाज में भी अपनी शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाते हैं। इस नई पहल से छात्रों के साथ समाज को भी फायदा मिलेगा।

जीवन कौशल में क्या-क्या पढ़ाया जाएगा

जीवन कौशल से जुड़े कोर्स के जरिए फिलहाल छात्रों को जो पढ़ाया या सिखाया जाएगा, उनमें पहली विषयवस्तु- प्रभावी बातचीत की क्षमता के विकास को लेकर होगी। जिसमें छात्रों को पढ़ना, लिखना, बोलना, अलग-अलग तरीकों से लिखने, डिजिटल साक्षरता, सोशल मीडिया का प्रभावी इस्तेमाल आदि की सीख दी जाएगी। दूसरी विषयवस्तु- पेशेवर कौशल पर आधारित होगी। जिसमें छात्रों को कैरियर और टीम स्किल की शिक्षा दी जाएगी। कैरियर स्किल में उन्हें रिज्यूम तैयार करने, इंटरव्यू, ग्रुप डिशकशन, कैरियर से जुड़े संभावनाओं आदि और टीम स्किल में प्रस्तुती, भरोसा और जुड़ाव, आंतरिक बातचीत की शैली आदि सीख दी जाएगी। वही नेतृत्व और प्रबंधन क्षमता के विकास पर भी ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान छात्रों को नेतृत्व क्षमता, प्रबंधकीय क्षमता, सिद्धांत और ईमानदारी आदि की सीख दी जाएगी। वही इस कोर्स की अंतिम विषयवस्तु मानव मूल्यों पर आधारित होगी। जिसमें छात्रों को मानव मूल्यों के साथ, प्रेम, दया, सत्य, अहिंसा, धर्म, शांति, सेवाभाव और त्याग जैसे विषयों की शिक्षा दी जाएगी।

हकेंवि में गणित व सांख्यिकीय टूल केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ● जागरण

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला में प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है। 24 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला के अंतर्गत प्रतिभागियों को आयोजन के दूसरे व तीसरे दिन मैपल साफ्टवेयर, मेटलैब साफ्टवेयर तथा आर साफ्टवेयर की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इन सभी साफ्टवेयर्स को शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह सभी संकायों के लिए उपयोगी है। विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन आन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग तथा सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला के सदर्भ में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार गुप्ता, शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डा. प्रमोद कुमार ने दूसरे व तीसरे दिन प्रतिभागियों को डा. श्रीकांथा एन ने मैपल साफ्टवेयर से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई। इसी तरह डा. अशोक जांगिड़ ने मेटलैब व प्रो. विजय कुमार ने आर साफ्टवेयर के विषय में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया। डा. कपिल कुमार ने बताया कि कार्यशाला के चौथे व पांचवें दिन प्रो. सुरेश कुमार शर्मा जानकारी प्रदान करेंगे। आगामी 24 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश के करीब 100 शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी शिक्षक हिस्सा ले रहे हैं।

प्रो. आरसी कुहाड़ ●

जल है बहुमूल्य, जल बचाएं कल बचाएं : प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में विश्व जल दिवस पर वेबिनार के माध्यम से जल के महत्त्व पर चर्चा की गई। विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा जल बहुमूल्य है, जल बचाएं, कल बचाएं। कुलपति ने पानी को जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि इसका प्रयोग बेहद सावधानी से करना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को पेयजल संकट से बचाया जा सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत कुलपति सहित सभी प्रतिभागियों ने जल शपथ ली। इसमें सभी ने पानी बचाने का प्रण लिया। सभी ने इस शपथ में कैच द रेन अभियान को बढ़ावा देने की बात कही। वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में आईआईटी रूड़की के पूर्व प्रो डॉ. जी.एल. असावा तथा डॉ. बृजेश कुमार यादव उपस्थित रहे। प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने रहीम के दोहे रहिमन पानी

हकेंवि में विश्व जल दिवस पर वेबिनार का आयोजन

छात्रों को नेशनल वॉर मेमोरियल से जोड़ें : यूजीसी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र लिखकर छात्रों को दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल से जोड़ने का आग्रह किया है। यूजीसी का मानना है कि छात्रों को बहादुर शहीदों को जानना चाहिए। छात्र ऐसे शहीदों को अपना रोल मॉडल बनाएं। विश्वविद्यालय और कॉलेजों को छात्रों को नेशनल वॉर मेमोरियल के बारे में बताने के लिए ट्रिप का आयोजन करना होगा।

यूजीसी के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से सोमवार को यह पत्र लिखा गया है। इसमें लिखा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देश के अनुसार छात्रों को नेशनल वॉर मेमोरियल से जोड़ने की योजना तैयार की गई है। इस मेमोरियल में भारत-चीन के बीच 1962 के युद्ध, भारत-पाक के बीच 1947, 1965,1971 के युद्ध , 1999 का कारगिल युद्ध में प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों के नाम लिखे गए हैं। इन शहीदों के कारण देश का हर नागरिक घर में आराम से रहता है। इसलिए छात्रों को इन शहीदों के बलिदान को जानना जरूरी है।

जेएनयू में केंद्रीय विवि संयुक्त प्रवेश परीक्षा से दाखिले

अकादमिक काउंसिल की 157वीं बैठक में लिया गया निर्णय, इसी सत्र से लागू होगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) आगामी सत्र में स्नातक प्रोग्राम में दाखिला केंद्रीय विश्वविद्यालय (53 केंद्रीय विश्वविद्यालय) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा की मेरिट से करेगा। विश्वविद्यालय दाखिले के लिए अपनी जेएनयू प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं करेगा। फरीदाबाद के अरुण जेटली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल एंड मैनेजमेंट (एजेएनआईएफएम) के दो पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (फाइनेंस) पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (फाइनेंशियल मैनेजमेंट) के छात्रों को अब जेएनयू का डिप्लोमा मिलेगा।

जेएनयू अकेडमिक काउंसिल की सोमवार को 157वीं बैठक में इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत जेएनयू शैक्षणिक सत्र 2021-22 में स्नातक प्रोग्राम में दाखिला केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा की मेरिट से देगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 2020 में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को सभी 53 केंद्रीय विवि में स्नातक प्रोग्राम में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2021 के आयोजन की जिम्मेदारी दी है। इसी संयुक्त प्रवेश परीक्षा में अब जेएनयू भी जुड़ गया है। अभी तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय देशभर के 18 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी प्रोग्राम में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित करता था।

शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए को दी है संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2021 के आयोजन की जिम्मेदारी

'कुलपति किस आधार पर ले रहे बड़े फैसले'

जेएनयू शिक्षक संघ की सचिव प्रो. मौसमी बासु का कहना है कि अकेडमिक काउंसिल बैठक में काउंसिल के अध्यक्ष यानी कुलपति प्रो. एम जगदीश कुमार ने किसी को कुछ बोलने की अनुमति नहीं दी। कुलपति का कार्यकाल पूरा हो चुका है। अकेडमिक काउंसिल में किसी प्रस्ताव पर कार्य विस्तार वाला अध्यक्ष कैसे कोई बड़ा फैसला ले सकता है। यूजीसी से इस संबंध में जानकारी मांगी गई है पर अभी तक जवाब नहीं आया। एजेंडा के प्रस्ताव पर कोई चर्चा भी नहीं हुई।

एमफिल में नहीं होंगे इस साल दाखिले

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत एमफिल प्रोग्राम को खत्म कर दिया गया है। जेएनयू में भी आगामी शैक्षणिक सत्र में एमफिल प्रोग्राम में दाखिले नहीं होंगे। पूर्व में दाखिला ले चुके छात्रों की पढ़ाई जारी रहेगी।

WORKSHOP ON MATHEMATICAL TOOLS

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) organised a week-long online workshop focusing on mathematical and statistical tools wherein expert teachers working in the field of mathematics and statistics provided information about various useful tools used in research and practical use in science, technology, management, humanities, education and other study related areas. Vice Chancellor, Prof RC Kuhad, said data collection and evaluation was crucial in research to gain appropriate conclusions.

The Tribune Mon, 22 March 2021 https://epaper.tribunei

महिला के साथ दुष्कर्म, मामला दर्ज

महेंद्रगढ़ : एक महिला की शिकायत पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के एक कर्मचारी के खिलाफ दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पीड़ित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले कुछ दिन पहले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यरत मुकेश फार्मासिस्ट ने उनके घर पर आकर दरवाजे की घंटी बजाई। जब उसने दरवाजा खोला तो मुकेश फार्मासिस्ट ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ गलत काम किया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (संसू)

आपसी साझेदारी से ही मिलेगी सफलता की राह:- प्रो. आर.सी. कुहाड़

-हकेवि में गणित व सांख्यिकीय टूल केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की हुई शुरुआत

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार 20 मार्च से गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की शुरुआत हो गई। इस कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साझेदारी के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में नित नए बदलाव हो रहे है जिन्हें देखते हुए जरूरी है कि हम न सिर्फ आपसी संवाद पर जोर दें बल्कि आपसी साझेदारी को भी महत्व दें। इससे हम बेहतर कल का निर्माण कर सकते है।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यह कार्यशाला जिस तरह के टूल्स पर केंद्रित है वो केवल गणित व सांख्यिकी के क्षेत्र में ही उपयोगी नहीं बल्कि उनका महत्व शिक्षा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रोधोगिकी, मानविकी आदि में भी रहता है फिर वो चाहे मैपल्स हो, एसपीएसएस हो या मेटलेब हो। कुलपति ने कहा कि विकास और समाज उपयोगी शोध के लिए आवश्यक है कि आंकड़ों का सही संग्रहण हो और उनका बेहतर मूल्यांकन किया जाए ताकि उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर उचित निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके। कुलपति ने कहा कि आज बात चाहे मौसम के पूर्वनुमान की हो, इंडस्ट्रीयल ग्रोथ की बात हो या फिर इकोनॉमिक ग्रोथ का आकंलन करना हो, सभी क्षेत्रों में तकनीकी उपकरणों के साथ-साथ आंकड़ों का महत्व रहता है। कुलपति ने कहा कि आवश्य ही यह कार्यशाला और इसमें शामिल हो रहे विशेषज्ञ वक्ता इस विषय में प्रतिभागियों के लिए सहयोगी साबित होंगे और उनके ज्ञान का लाभ कार्यशाला में शामिल होने वालों को मिलेगा।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग तथा सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला की रूपेरखा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत कुल 20 सत्र आयोजित होंगे इनमें 18 सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सॉफ्टवेयर व उपकरणों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन शिक्षा पीठ की डॉ. रेणु यादव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कार्यशाला के तकनीकी सत्रों के संचालन में सांख्यिकी विभाग के डॉ. कपिल कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। डॉ. कपिल ने बताया आगामी 24 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश के करीब 100 शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी शिक्षक हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हो रही इस कार्यशाला में डिजीटलएड इंडिया के उज्ज्वल कंदारी, जीआईएनटी, कर्नाटक के डॉ. श्रीकांथा एन., डीईआई, आगरा के डॉ. अशोक जांगिड़, डीडीयू, गोरखपुर के प्रो. विजय कुमार और पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ के प्रो. सुरेश कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

आपसी साझेदारी से ही मिलेगी सफलता की राह: प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़। चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार 20 मार्च से गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की शुरुआत हो गई। इस कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साझेदारी के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में नित नए बदलाव हो रहे है जिन्हें देखते हुए जरूरी है कि हम न सिर्फ आपसी संवाद पर जोर दें बल्कि आपसी साझेदारी को भी महत्व दें। इससे हम बेहतर कल का निर्माण कर सकते है।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यह कार्यशाला जिस तरह के टूल्स पर केंद्रित है वो केवल गणित व सांख्यिकी के क्षेत्र में ही उपयोगी नहीं बल्कि उनका महत्व शिक्षा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रोधोगिकी, मानविकी आदि में भी रहता है फिर वो चाहे मैपल्स हो, एसपीएसएस हो या मेटलेब हो। कुलपति ने कहा कि विकास और समाज उपयोगी शोध के लिए आवश्यक है कि आंकड़ों का सही संग्रहण हो और उनका बेहतर मूल्यांकन किया जाए ताकि उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त कर उचित निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके। कुलपति ने कहा कि आज बात चाहे मौसम के पूर्वनुमान की हो, इंडस्ट्रीयल ग्रोथ की बात हो या फिर इकोनॉमिक ग्रोथ का आकंलन करना हो, सभी क्षेत्रों में तकनीकी उपकरणों के साथ-साथ आंकड़ों का महत्व रहता है। कुलपति ने कहा कि आवश्य ही यह कार्यशाला और इसमें शामिल हो रहे विशेषज्ञ वक्ता इस विषय में प्रतिभागियों के लिए सहयोगी साबित होंगे और उनके ज्ञान का लाभ कार्यशाला में शामिल होने वालों को मिलेगा।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग तथा सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला की रूपेरखा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत कुल 20 सत्र आयोजित होंगे इनमें 18 सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सॉफ्टवेयर व उपकरणों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन शिक्षा पीठ की डॉ. रेणु यादव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कार्यशाला के तकनीकी सत्रों के संचालन में सांख्यिकी विभाग के डॉ. कपिल कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

आयोजन

हकेंवि में गणित और सांख्यिकीय टूल केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की शुरुआत

'आपसी साझेदारी से ही मिलेगी सफलता की राह'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शनिवार 20 मार्च से गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की शुरुआत की गई। कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए साझेदारी के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में नित नए बदलाव हो रहे हैं जिन्हें देखते हुए जरूरी है कि हम न सिर्फ आपसी संवाद पर जोर दें बल्कि आपसी साझेदारी को भी महत्व दें। इससे हम बेहतर कल का निर्माण कर सकते है।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग और सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला की रूपेरखा गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के अंतर्गत कुल 20 सत्र आयोजित होंगे। इनमें 18 सत्र में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सॉफ्टवेयर व उपकरणों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन शिक्षा पीठ की डॉ. रेणु यादव ने किया जबकि आभार ज्ञापन शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कार्यशाला के तकनीकी सत्रों के संचालन में सांख्यिकी विभाग के डॉ. कपिल कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

गणित व सांख्यिकीय टूल साप्ताहिक कार्यशाला आज

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार 20 मार्च से गणित व सांख्यिकीय टूल पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन होगा। इस कार्यशाला में गणित, सांख्यिकी के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ शिक्षकों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी, शिक्षा व इससे संबंधित अध्ययन क्षेत्रों में शोध व प्रायोगिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उपयोगी टूल्स के विषय में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ के अंतर्गत आने वाले पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, गणित विभाग तथा सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला के संदर्भ में शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार, गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार गुप्ता व सांख्यिकी विभाग के डॉ. कपिल कुमार ने बताया कि कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि 20 से 24 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देश के करीब 100 शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी शिक्षक हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हो रही इस कार्यशाला में डिजीटल एड इंडिया के उज्ज्वल कंदारी, जीआईएनटी, कर्नाटक के डॉ. श्रीकांथा एन, डीईआई, आगरा के डॉ. अशोक जांगिड़, डीडीयू, गोरखपुर के प्रो. विजय कुमार और पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रो. सुरेश कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की ओर से हिंदी आलेखन व टिप्पण पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सहायक निदेशक (राजभाषा) सुमेर सिंह यादव उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर गंभीरता के साथ प्रयास कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया हुआ है।

राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। इसके लिए विश्वविद्यालय में प्रत्येक तिमाही में कार्यशाला व प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को हिंदी के कार्यालयी प्रयोग में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया। प्रो. कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन व्यवहार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है और मुझे खुशी है कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी ऐसी ही कार्यशालाओं का आयोजन होता रहेगा।

उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में प्रत्येक शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सभी विभागों व अनुभागों द्वारा कार्यालय का कार्य हिंदी में किया जा रहा है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे सुमेर सिंह यादव ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर राजभाषा के विषय में जानकारी देते हुए हिंदी टिप्पण व आलेखन की जानकारी देते हुए उसका अभ्यास कराया। कार्यशाला का आरम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ डा. प्रमोद कुमार ने स्मृति चिह्न देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए डा. प्रमोद ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के निर्देशन व मार्गदर्शन में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और यह कार्यशाला इन कोशिशों में सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षण विधि में बदलाव ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाएगा- प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़

जाटौली, राजेश राज गोयल। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन पर हुए सर्वोक्ष एजुविजन-2021 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने सफलता पूर्वक भोपाल में प्रतिभागिता की। आयोजन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए माननीय शिक्षा मंत्री [illegible] जी ने अपने संबोधन में भारतीय शिक्षण मंडल और सभी जुड़े हुए विश्वविद्यालयों को इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने समापन संबोधन में इस बात पर बल दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभों को समाहित किए हुए है और साथ ही आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी को मूल्यपरक [illegible] पर भी बल देती है। भारतीय शिक्षण मंडल ने इस कार्य का जो गुरुतर भार लिया है, इसके लिए उन्होंने उसकी सराहना की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा नई शिक्षा नीति को कार्यान्वयन करने में सबसे बड़ी भूमिका शिक्षकों की है शिक्षक ही है, जो विद्यार्थियों को कक्षा में मूल्यपरक, चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व निर्माण और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान कर सकता है जिससे वह स्वयं आत्मनिर्भर बन सकता है और देश को भी आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर सकता है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने हर्ष जताते हुए यह उद्गार व्यक्त किए कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में देश के समस्त विश्वविद्यालयों में एक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा ने जन्म लिया है और वह उसे शीघ्रता से अपने यहां क्रियान्वित

करने के लिए संलग्न है। भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि संवाद, समन्वय तथा सहकार्य वर्तमान युग में सार्थकता के मंत्र हैं, इस आयोजन को प्रत्यक्ष उदाहरण के रूप में उन्होंने व्यावहारिक तथा सामूहिक रूप का निर्देशन [illegible] हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ जी ने कहा कि शिक्षण की विधि में बदलाव ही नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाएगा। नई शिक्षा नीति पर अभी तक बहुत अधिक वेबीनार, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं। उस पर काफी चर्चा भी हो चुकी है। अब उसके कार्यान्वयन के लिए कार्य करना है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 7 जुलाई 2020 को ही नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु एक उच्चस्तरीय विशेष कार्यबल का गठन कर दिया था, जिसने सफलतापूर्वक अपने सुझावों का संकलन करके विश्वविद्यालय के प्रशासन को सौंप दिया है। शीघ्र ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु भारतीय शिक्षण मंडल और दूसरे संबंधित विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इससे पहले सुबह के सत्र में शिक्षा, संस्कृति और संस्कार पर बोलते हुए मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि हमारी शिक्षा को सबसे अधिक ध्यान चरित्र निर्माण पर देना होगा और इसके साथ ही उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सेना के जवानों के बलिदानों को भी ध्यान रखने की जरूरत दी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने यहां प्रवेश में भारतीय सेना के जवानों से संबंधित वर्गों के लिए एक विशेष कोटा दिया हुआ है। चरित्र निर्माण को ध्यान में रखते हुए स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ की स्थापना हुई है और साथ ही संस्कृत और योग शिक्षा भी इस कार्य को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

हकेवि में व्याख्यान आयोजित

संसू, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. संगीता ने दो सत्रों में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय समय-समय पर ऐसे आयोजनों के माध्यम से नए बदलावों से प्रतिभागियों को अवगत कराता रहता है। व्याख्यान के प्रथम सत्र में विशेषज्ञ प्रो. संगीता ने विवि अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम रूपरेखा में नवीन प्रयोग के अंतर्गत लर्निंग आउटकम्स केरिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) के बारे में जानकारी दी। इसके अंतर्गत प्रोग्राम आउटकम, प्रोग्राम विशेष आउटकम तथा कोर्सआउटकम से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि लर्निंग आउटकम कोर्स व प्रोग्राम में संबंध स्थापित करने के साथ-साथ परिणाम को भी प्रभावित करते हैं। हमें ऐसे पाठ्यक्रम का निर्माण करना होगा। इसके लिए निर्धारित आउटकम के अनुरूप परिणाम के सुनिश्चित करने का प्रयास करना होगा। प्रो. संगीता ने प्रतिभागियों को अनेक तकनीकों से से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र को प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. राजवीर दलाल, प्रो. रविंद्र अहलावत, डा. गुंजन गोयल, डा. सुदीप व डा. पिंकी आदि शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रो. संगीता ने समावेशी शिक्षा की अवधारणा विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का समन्वयक डा. प्रमोद कुमार ने बताया कि आयोजन में भारी संख्या में विद्यार्थी व शिक्षक शामिल हुए । कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पीठ की प्रो. सारिका शर्मा ने दिया।

हकेंवि में एलओसीएफ पर विशेष व्याख्यान कराया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) की शिक्षा पीठ की ओर से आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के शिक्षा विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. संगीता ने दो सत्रों में अपने व्याख्यानों से संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को लाभांवित किया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस कार्यक्रम को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया । व्याख्यान के प्रथम सत्र में विशेषज्ञ प्रो. संगीता ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम रूपरेखा में नवीन प्रयोग के अंतर्गत लर्निंग आउटकम कैरिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिसके अंतर्गत प्रोग्राम आउटकम, प्रोग्राम विशेष आउटकम तथा कोर्सआउटकम से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि लर्निंग आउटकम, जो कोर्स व प्रोग्राम में संबंध स्थापित करने के साथ-साथ परिणाम को भी प्रभावित करते हैं। हमें ऐसे पाठ्यक्रम का निर्माण करना होगा तथा उसके लिए निर्धारित आउटकम के अनुरूप परिणाम के सुनिश्चित करने का प्रयास करना होगा। इस अवसर पर प्रो. संगीता ने प्रतिभागियों को अनेक तकनीकों से से भी अवगत कराया।

प्रो. आरसी कुहाड़।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र को प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. राजवीर दलाल, प्रो. रविंद्र अहलावत, डॉ. गुंजन गोयल, डॉ. सुदीप व डॉ. पिंकी आदि शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रो. संगीता ने समावेशी शिक्षा की अवधारणा विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रकार, उनकी आवश्यकताओं व उनकी शिक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रतिभागियों से साझा की। साथ ही इन विशेष बच्चों की शिक्षा हेतु अध्यापक, विद्यालय, माता-पिता के लिए विशेष सुझाव देते हुए इनकी शिक्षा के लिए भावी अध्यापकों को विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम का समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि आयोजन में भारी संख्या में विद्यार्थी व शिक्षक शामिल हुए और विशेषज्ञ द्वारा दी गई जानकारियों से अवगत हुए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पीठ की प्रो. सारिका शर्मा ने दिया। ब्यूरो

हकेंवि के 9 विद्यार्थियों को मिली नौकरी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि), महेंद्रगढ़ में बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को डिग्री पूरी करते ही देश के रिटेल संगठन रिलायंस में प्लेसमेंट मिली है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनकी तीन साल की कड़ी मेहनत का परिणाम है और इसके लिए सभी विद्यार्थी व शिक्षक बधाई के पात्र हैं। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगार परक है और रिलायंस रिटेल ने ये डिग्री प्राप्त नौ विद्यार्थियों सोनल टक, सोनिया, विनोद, राहुल, राजपाल, सावन कौशिक, विनोद राठोर, पंकज कुमार व राजेश को नौकरी की पेशकश की। इन सभी चयनित छात्रों ने दिल्ली, गुरुग्राम, हिसार, रोहतक आदि स्थानों पर प्रबंधकीय पदों पर कार्य करना भी आरंभ कर दिया है। संवाद

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को शोध पर जोर

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और शिक्षा में भारतीयता के समावेश के उद्देश्य पर केंद्रित तीन दिवसीय कांफ्रेंस एवं नेशनल एक्सपो 'सार्थक एजुविजन-2021' में शिक्षा और सुरक्षित बचपन' विषय पर नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीयता मां के दूध के समान है, जो अमूल्य और अद्वितीय है। उसमें सार्वभौमिकता, समग्रता, गतिशीलता, समानता और स्वीकार्यता जैसे पांच गुणों का समावेश है, जो अन्य सभ्यताओं में दिखाई नहीं देते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री मुकुल कानितकर ने की।

आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत भारतीय महिलाएं बढ़-चढ़कर इस परियोजना में हिस्सा ले रही हैं और उनका एनपीए एक प्रतिशत से भी कम है। प्रोफेसर नीरजा गुप्ता ने कहा कि कभी हमारे समाज में महिलाओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा नहीं खींची गई। लक्ष्मण रेखा तो रावण के लिए थी, माता सीता के लिए नहीं। हमें भारतीय संस्कृति के अनुरूप नए प्रतिमानों को भी गढ़ना होगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन व निर्देशन में विश्वविद्यालय आसपास के गांवों को गोद लेकर इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन का निरंतर प्रचार और प्रसार कर रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत मजदूरों के बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी का भी निर्वहन कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का कहना है कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारतीय संस्कृति पर आधारित शोध और नवाचार को महत्व देना होगा और इस कार्य में शिक्षण संस्थानों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कुलपति ने कहा कि हमारे समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए विश्वास की जगह विज्ञान को लेनी होगी।

थीसिस 31 दिसंबर तक होंगी जमा

अमर उजाला ब्यूरो

यूजीसी ने गाइडलाइन में संशोधन किया, पहले 30 जून तक मिला था समय

नई दिल्ली। देश के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के एमफिल और पीएचडी स्कॉलर्स अब 31 दिसंबर 2021 तक अपनी थीसिस जमा करवा सकेंगे। पहले 30 जून तक थीसिस जमा करवानी थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कोविड-19 के कारण अपनी 03 दिसंबर को जारी गाइडलाइन ऑफ एग्जामिनेशन एंड अकेडमिक कैलेंडर फॉर द यूनिवर्सिटीज में संशोधन किया है। कोरोना के कारण दो बार अतिरिक्त समय सीमा बढ़ाते हुए कुल डेढ़ साल का अतिरिक्त समय स्कॉलर्स को दिया गया है।

यूजीसी के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों का पत्र लिखा गया है। इसमें लिखा है कि कोविड-19 के कारण पिछले मार्च से शिक्षण संस्थान बंद हैं। एमफिल और पीएचडी के जिन स्कॉलर्स ने अपनी थीसिस 30 जून 2020 तक जमा करनी थी, उन्हें 31 दिसंबर 2021 तक जमा करने का अतिरिक्त समय देने का फैसला लिया गया था। हालांकि कोरोना मामलों में लगातार बढ़ोतरी के कारण अभी तक उच्च शिक्षण संस्थान नहीं खुल पाए हैं। इसलिए 30 जून तक जो समय-सीमा दी गई थी, उसे 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ाया जाता है। प्रो. जैन ने लिखा है कि कोविड-19 के कारण स्कॉलर्स को थीसिस जमा करने के लिए समय-सीमा बढ़ाई गई। लेकिन स्कॉलरशिप व फेलोशिप राशि पांच साल तक के लिए ही मान्य होगी। थीसिस जमा करने के लिए तीन बार जो समय-सीमा बढ़ाई गई है।

भारतीयता में समग्रता, गतिशीलता समानता, सार्वभौमिकता के गुण

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और शिक्षा में भारतीयता के समावेश के उद्देश्य पर केंद्रित तीन दिवसीय कांफ्रेंस एवं नेशनल एक्सपो सार्थक एडुविजन-2021 में शिक्षा और सुरक्षित बचपन विषय पर नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि भारतीयता मां के दूध के समान है, जो अमूल्य और अद्वितीय है। उसमें सार्वभौमिकता, समग्रता, गतिशीलता, समानता और स्वीकार्यता जैसे पांच गुणों का समावेश है, जो अन्य सभ्यताओं में दिखाई नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को शिक्षा से वंचित नहीं होने देना चाहिए, शिक्षा ही विषमता को दूर करने का सबसे सुगम साधन है।

भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री मुकुल कानितकर की अध्यक्षता में आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत भारतीय महिलाएं बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। उनका एनपीए एक प्रतिशत से भी कम है। इसका अर्थ यह हुआ कि महिलाएं न केवल बैंकों से अपने कार्य करने हेतु ऋण ले रही हैं बल्कि कार्य को कार्य रूप में परिणत कर उससे लाभ लेकर बैंकों का पैसा वापस भी कर रही हैं।

सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता ने कहा कि कभी हमारे समाज में महिलाओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा नहीं खींची गई। हमें भारतीय संस्कृति के अनुरूप नए प्रतिमानों को भी गढ़ना होगा उस आधार पर हमें भारतीय महिलाओं के योगदान का आंकलन करना होगा। हकेंवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन व निर्देशन में विश्वविद्यालय आसपास के गांवों को गोद लेकर इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन का निरंतर प्रचार और प्रसार कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारतीय संस्कृति पर आधारित शोध और नवाचार को महत्व देना होगा। कुलपति ने कहा कि हमारे समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए विश्वास की जगह विज्ञान को लेनी होगी ताकि हम अपने नई पीढ़ी को विश्वास और विज्ञान का समन्वय समझा सके और उन्हें अपने रीति-रिवाजों से जोड़कर भविष्य के लिए कदम बढ़ाने हेतु तैयार कर सकें।

सार्थक एडुविजन-2021 • राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन पर अधिवेशन, आज आएंगे कैलाश सत्यार्थी

मातृभाषा से ही खुलते हैं उन्नति के रास्ते : प्रो. आरसी कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के लिए जो योजना कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ के मार्गदर्शन से मूर्त रूप लेने जा रही है।

उन्हीं तथ्यों से संबंधित भोपाल में चल रहे सार्थक एडुविजन-2021 को संबोधित करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा यदि आप कल्पना कर सकते हैं तो आप कुछ भी कर सकते हैं। युवाओं के मस्तिष्क को सोचने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, हमें रोबोट नहीं बनना है, हमें वास्तव में इंसान बनना है। इसी क्रम में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि जमीन को बंजर होने से बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को कम करना चाहिए। बहुभाषी शिक्षा पर चल रहे इस सम्मेलन में विद्वानों ने एकमत से स्वीकार किया कि हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए।

जिस देश में जितनी ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, वहां उतना अधिक मस्तिष्क का विकास होता है। हकेंवि में देश भर के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विवि ने पहले से ही निर्धारित कर रखा है कि बहुभाषा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी राज्यों से आए हुए विद्यार्थियों का एक सम्मिलित समूह बनाएंगे ताकि वे एक दूसरे को अपनी मातृभाषा समझा सकें। कुलपति का कहना है कि मातृभाषा से ही उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

सार्थक एडुवीजन-2021 सम्मेलन का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय शैक्षणिक तकनीकी परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। यह अधिवेशन अभी दो दिन और चलेगा जिसमें नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी भाग लेंगे।

कार्यक्रम

भोपाल में बहुभाषी शिक्षा पर चल रहा एडुविजन-2021 सम्मेलन

मातृभाषा से ही खुलते हैं उन्नति के रास्ते: प्रो. कुहाड़

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भोपाल में बहुभाषी शिक्षा पर एडुविजन-2021 सम्मेलन चल रहा है। सम्मेलन का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय शैक्षणिक तकनीकी परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

हकेंवि के कुलपति आरसी कुहाड़ ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में देश के 26 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के विद्यार्थी वर्तमान में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने पहले से ही निर्धारित कर रखा है कि बहुभाषा को बढ़ावा देने के लिए हम सभी राज्यों से आए हुए विद्यार्थियों का एक सम्मिलित समूह बनाएंगे, ताकि वे एक दूसरे को अपनी मातृभाषा समझा सकें। उन्होंने कहा कि मातृभाषा से ही उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

प्रतिभागियों को हकेंवि की उपलब्धियों से अवगत करते विवि के प्रतिनिधि। संवाद

यह अधिवेशन अभी दो दिन और चलेगा जिसमें नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और जिसमें शिक्षा से जुड़े केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कई विभागों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपना स्टॉल लगाया। जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित उपलब्धियों, कार्यक्रमों और भावी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की गई।

इस मौके पर नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यदि आप कल्पना कर सकते हैं तो आप कुछ भी कर सकते हैं। युवाओं के मस्तिष्क को सोचने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, हमें रोबोट नहीं बनना है, हमें वास्तव में इंसान बनना है। युवाओं को नवाचार अपनाते हुए स्वरोजगार उन्मुख बनना चाहिए। इसी क्रम में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए जमीन को बंजर होने से बचाने के लिए रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सभी कुलपतियों और प्रशासकों से अनुरोध किया कि वे अपने विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती के बारे में बताएं, स्थानीय खेती की समस्याओं को लेकर अनुसंधान करें और किसानों की आय दुगनी करने में भारत सरकार की मदद करें।

बहुभाषी शिक्षा पर चल रहे इस सम्मेलन में उपस्थित विद्वानों ने एकमत से स्वीकार किया कि हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। जिस देश में जितनी ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, प्रयोग में होती हैं, वहां उतना अधिक मस्तिष्क का विकास होता है।

कार्यक्रम | सार्थक एडुविजन-2021 में भाग लेने के लिए भोपाल भेजा त्रिसदस्यीय दल

भारत के सपनों को साकार करेगी नई शिक्षा नीति

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आरसी कुहाड़ ने सोमवार को त्रिसदस्यीय दल सार्थक एडुविजन-2021 में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल भेजा है। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस आयोजन के माध्यम से अपनी क्रिया-विधियों, विचारों और अनुसंधानों को समान क्षेत्र में कार्यरत विश्वविद्यालयों से सांझा कर कर रहा है। इससे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में योगदान मिलेगा। इसलिए यहां राष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। अनेक विश्वविद्यालयों

सार्थक एडुविजन-2021 में प्रतिभागिता करते हकेंवि के शिक्षक ● जागरण

के कुलपति, वरिष्ठ आचार्यों और शिक्षाविदों के साथ भारत सरकार के मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए विचार मंथन कर रहे हैं। औपचारिक रूप से यह प्रदर्शनी 15 से 17 मार्च 2021 तक चलेगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एडुविजन-2021 में शैक्षणिक प्रायोजक के रूप में भाग ले रहा है। यह आशा ही नहीं विश्वास है कि यह सार्थक एडुविजन-2021, भारत की नई शिक्षा नीति-2020, भारतीयता के दृष्टिकोण के साथ नवाचार और अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह, अखिल भारतीय तकनीकी शैक्षणिक परिषद के अध्यक्ष डा. अनिल सहस्त्र बुद्धे और मध्य प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में विश्वविद्यालय से डा. संतोष कुमार सिंह, डा. जसवंत कुमार और डा. अजय पाल भाग ले रहे हैं।

आचार्य विश्वविद्यालय लौटकर अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपेंगे, जिससे विश्वविद्यालय को नई शिक्षा नीति-2020 और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
14 Mar 2021

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में आजादी का अमृत महोत्सव में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. राजेश मलिक। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंविवि में आजादी अमृत महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा किया गया विशेष चर्चा का आयोजन

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में शुक्रवार से शुरू आजादी का अमृत महोत्सव हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी आरंभ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दांडी मार्च की वर्षगांठ के मौके पर साबरमती आश्रम से शुरू किए गए विशेष आयोजन के आरंभ के साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी विशेष आयोजन शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को इन कार्यक्रमों की शुरूआत विशेष चर्चा के माध्यम से हुई। ऑनलाइन आयोजित इस चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में संबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव मित्तल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और इस अवसर पर

मौके पर प्रधानमंत्री द्वारा दांडी मार्च की वर्षगांठ पर शुरू किए गए विशेष आयोजन का भी उल्लेख किया और इसे उस आंदोलन से आमजन को जोड़ने वाला एक अद्वितीय प्रयास बताया। मुख्य अतिथि प्रो. संजीव मित्तल ने अपने संदेश में स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और आज की पीढ़ी को उस जनांदोलन के भाव से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. राजेश मलिक ने अंग्रेजी शासन व्यवस्था का उल्लेख करते हुए भारत पर उनके कब्जे और दमनकारी शासन नीतियों व कानूनों के विषय में जानकारी दी।

हकेंवि में सस्टेनेबल फ्यूचर विषय हुआ वेबिनार कराया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर केंद्रित वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में ओएनजीसी, विदेश के वर्तमान कार्यकारी निदेशक और रूस के इम्पीरियल एनर्जीज के पूर्व सीईओ, थमिलसेलवन एसके उपस्थित रहे।

वक्ता ने अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों, प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक पीठ के अधिष्ठाता डॉ. अजय कुमार बंसल, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास गर्ग थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए आवश्यक संबंधित क्षेत्र की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से बेहद मददगार बताया।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ देश भर के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंत में डॉ. विकास कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के आयोजन में तृतीय वर्ष के विद्यार्थी अस्मित रॉय बर्मन और रमेश बिश्नोई ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विद्यार्थी समय रहते व्यवहारिक चुनौतियों से हों अवगत : वीसी कुहाड़

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़, में सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर केंद्रित वेबिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में ओएनजीसी, विदेश के वर्तमान कार्यकारी निदेशक और रूस के इम्पीरियल एनर्जी के पूर्व सीईओ, थमिलसेलवन एसके उपस्थित रहे। विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त विशेषज्ञ वक्ता ने अपने अनुभवों के आधार पर विद्यार्थियों व प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के संयोजक पीठ के अधिष्ठाता डॉ. अजय कुमार बंसल तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विकास गर्ग थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए आवश्यक संबंधित क्षेत्र की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से बेहद मददगार बताया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ देश भर के विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर केंद्रित इस आयोजन को संबोधित करते हुए विशेषज्ञ वक्ता ने अपने अनुभव के माध्यम से विषय की समझ पर जोर दिया और प्रतिभागियों व्यावहारिक चुनौतियों से अवगत कराया। थमिलसेलवन एसके ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को सतत विकास के लिए आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी और बताया कि किस तरह से वो सफलता को सहज बना सकते हैं। इस कार्यक्रम के अंत में डॉ. विकास कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में तृतीय वर्ष के विद्यार्थी अस्मित रॉय बर्मन और रमेश बिश्नोई ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में पीठ के शिक्षक भी शामिल हुए।

हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ आजादी का अमृत महोत्सव का शुभारंभ

छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा किया गया विशेष चर्चा का आयोजन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में शुक्रवार से शुरू आजादी का अमृत महोत्सव हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ में भी आरम्भ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दांडी मार्च की वर्षगांठ के मौके पर साबरमती आश्रम से शुरू किए गए विशेष आयोजन के आरम्भ के साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भी विशेष आयोजन शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को इन कार्यक्रमों की शुरूआत विशेष चर्चा के माध्यम से हुई। ऑनलाइन आयोजित इस चर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में संबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव मित्तल ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया और इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यलाय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की। कुलपति ने अपने संदेश में आजादी की लड़ाई में शहीद हुए वीर स्वतंत्रता सेनानियों के

प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

बलिदान को याद किया और कहा कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां सदैव उनकी ऋणी रहेंगी। कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दांडी मार्च की वर्षगांठ पर शुरू किए गए विशेष आयोजन का भी उल्लेख किया और इसे उस आंदोलन से आमजन को जोड़ने वाला एक अद्वितीय प्रयास बताया। उन्होंने अपने संदेश के माध्यम से आजादी के 75 साल को भारत के युवा अवस्था से जोड़ते हुए कहा कि इस युवा भारत में जोश के साथ और होश का समावेश हो रहा है और वो दिन दूर नहीं जब भारत समूचे विश्व में अपनी पुरानी साख को कायम कर सकता है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द से संबंधित एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब एक स्वतंत्रता सेनानी ने स्वामी से स्वतंत्रता संग्राम में योगदान का आग्रह किया तो उन्होंने कहा कि क्या भारत आजादी को संभालने के काबिल है? यह बात सन- 1897 की है। इसके बाद भी विवेकानंद से अपना संवाद जारी रखते हुए कहा कि भारत 50 वर्षों में आजाद हो जायेगा और अगले 50 सालों में अपने पैरों पर खड़ा हो जाएगा। कुलपति ने स्वामी विवेकानंद की यह सभी भविष्यवाणियां सत्य साबित हुई। कुलपति ने आगे कहा कि स्वामी जी ने अपनी अगली भविष्यवाणी में कहा था कि भारत फिर से विश्व गुरू बनेगा, वह भी सत्य होती नजर आ रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. संजीव मित्तल ने ने आज की पीढ़ी को उस जनआंदोलन के भाव से अवगत कराया। प्रो. मित्तल के अनुसार यह हमारे लिए बेहद जरूरी है कि हम आजादी के 75 साल पूरे होने पर न सिर्फ उसे हर्षोल्लास के साथ मनाएं, बल्कि इस आजादी के महत्व को जानें-समझें और देश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी भी निभाएं। प्रो. मित्तल ने इस अवसर पर विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों विशेषकर महात्मा गांधी के बलिदान को याद किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राक्टर प्रो. राजेश मलिक ने अंग्रेजी शासन व्यवस्था का उल्लेख करते हुए भारत पर उनके कब्जे और दमनकारी शासन नीतियों व कानूनों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों ने व्यापार के सहारे भारत में प्रवेश शुरू किया और समूचे भारत पर कब्जा कर लिया। इसी कड़ी विश्वविद्यालय के प्रो. राजबीर सिंह दलाल, प्रो. सारिका शर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
12 Mar 2021

दयानंद सरस्वती के आदर्शों का योगदान महत्त्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाने और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत आर्यसमाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के बोध दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विवि में हवन का आयोजन किया गया। विवि की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस हवन में विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

जन कल्याण में दयानन्द सरस्वती के आदर्शों का योगदान महत्त्वपूर्ण:- प्रो. आर.सी. कुहाड़

-हकेवि में स्वामी दयानन्द सरस्वती के बोध दिवस पर हवन का हुआ आयोजन
-कुलपति ने स्वामी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़।

भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाने और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत आर्यसमाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती के बोध दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हवन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस हवन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वामी जी का जीवन और उससे संबंधित विभिन्न परियोजन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें उनके अनुभवों व विचारों को आत्मसात कर समाज कल्याण में योगदान देना चाहिए। प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर महाशिवरात्रि के स्वामी जी के जीवन में महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह से इस दिन स्वामी जी को बोध की प्राप्ति हुई थी और उन्होंने भगवान शिव की सच्ची अराधना को समझते हुए जन-जन तक पहुंचाने का काम

किया। कुलपति ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, महापुरुषों और विद्वानों के जीवन से समाज व स्वयं की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने न्यूटन का जिक्र करते हुए कहा कि यदि उन्होंने पेड़ से सेब गिरने की सामान्य सी प्रक्रिया को गंभीरता से न लिया होता तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत विकसित न करते। कुलपति ने विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न आयोजनों में सभी वर्गों की सहभागिता को सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी जी को नमन किया और पुष्प अर्पित किए।

विश्वविद्यालय के स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने स्वामी जी के जीवन आदर्शों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और जनहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन • हकेंवि में स्वामी दयानंद सरस्वती के बोध दिवस पर हुआ हवन

संस्कृति और जन कल्याण में दयानंद सरस्वती के आदर्शों का योगदान महत्त्वपूर्ण : प्रो.आर.सी. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

भारतीय संस्कृति व समाज सुधार के क्षेत्र में देश को एक नई राह दिखाने और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत आर्यसमाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के बोध दिवस पर हकेंवि में हवन हुआ।

विवि की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के द्वारा महाशिवरात्रि पर आयोजित हवन में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ सहित शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

महेंद्रगढ़ में स्वामी दयानन्द सरस्वती के बोध दिवस पर हवन में आहुति देते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ व अन्य विवि के अधिकारी।

कुलपति ने कहा स्वामी जी का जीवन और उससे संबंधित विभिन्न परियोजन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि किस तरह से इस दिन स्वामी जी को बोध की प्राप्ति हुई थी और उन्होंने भगवान शिव की सच्ची अराधना को समझते हुए जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। कुलपति ने विवि में होने वाले विभिन्न आयोजनों में सभी वर्गों की सहभागिता को सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए आवश्यक बताया।

स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने स्वामी जी के जीवन से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

'स्वामी दयानंद के विचारों को आत्मसात करें'

माई सिटी रिपोर्टर

कुलपति ने स्वामी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

महेंद्रगढ़। देश को एक नई राह दिखाने और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत आर्यसमाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के बोध दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हवन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस हवन में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि स्वामी दयानंद का जीवन और उससे संबंधित विभिन्न प्रयोजन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें उनके अनुभवों व विचारों को आत्मसात कर समाज कल्याण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने स्वामी दयानंद के जीवन में महत्व पर भी प्रकाश डाला। यह भी बताया कि किस तरह से इस दिन स्वामी को बोध की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने

स्वामी दयानन्द सरस्वती के बोध दिवस पर हवन में आहुति देते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

भगवान शिव की सच्ची आराधना को समझते हुए जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, महापुरुषों और विद्वानों के जीवन से समाज, स्वयं की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने न्यूटन का जिक्र करते हुए कहा कि यदि उन्होंने पेड़ से सेब गिरने की सामान्य सी प्रक्रिया को गंभीरता से न लिया होता तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत विकसित न करते।

स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने स्वामी के जीवन आदर्शों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जनहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में महिला दिवस पर हुआ विशेष कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व लोकसभा सांसद व राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य डॉ. सुधा यादव शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। कुलपति ने संबोधन में भारत व अंतर्राष्ट्रीय जगत में महिलाओं के उल्लेखनीय प्रदर्शन, उनके त्याग, बलिदान व समर्पण पर प्रकाश डाला। विवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा वुमेन इन लीडरशिप अचिविंग एन इक्वल फ्यूचर इन कोविड-19 वर्ल्ड पर केंद्रित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल डॉ. सुधा यादव ने कोरोना काल में महिलाओं के योगदान को अविस्मरणीय बताया। डॉ. सुधा यादव ने निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आयोजन हकेंवि में महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित, पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव मुख्य अतिथि के रूप में हुईं शामिल

'महिलाओं ने हर मोर्चे पर अपनी श्रेष्ठता को किया साबित'

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य डॉ. सुधा यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने की।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि 21वीं सदी नारियों की सदी है। महिलाएं अपने योगदान के माध्यम से इस बात को अक्षरतः साबित कर रही हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव और कुलपति कुहाड़।

महिलाओं ने हर मोर्चे पर अपनी श्रेष्ठता को साबित किया है। डॉ. सुधा यादव ने कोरोना काल में महिलाओं के योगदान को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की तुलना देवी से की जाती है जबकि महिलाओं की इच्छा केवल समान अवसर प्राप्त करना होती है। हमें ऐसे अवसरों का विकास करना होगा जिससे कि वे अपनी नेतृत्व क्षमता का भरपूर प्रदर्शन कर सकें। इतिहास में यह प्रमाणित है कि महिलाओं ने जब-जब नीति निर्धारण व नेतृत्व के मोर्चे पर कमान संभाली है, परिणाम सकारात्मक ही प्राप्त हुए हैं।

कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने इस अवसर पर सती सावित्री, सीता, शकुंतला, अनुसूया, गार्गी, पद्मावती, लक्ष्मी बाई, दुर्गावती, सरोजिनी नायडू, सुजेता कृपलानी, प्रतिभा देवी पाटिल, स्मृति ईरानी, कमला हेरिस, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, सायना नेहवाल का उल्लेख करते महिलाओं के योगदान से अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान मंच का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य व प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. रेणु ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मोनिका ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भारी सं2या में शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से सम्मलित हुए।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
8 Mar 2021

2005 के बाद का होना चाहिए।

हकेंविवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को संपन्न हुई सेमेस्टर सत्रांत ऑनलाइन (रिमोट प्रोक्टेड) सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शनिवार को एमबीए की परीक्षा परिणाम घोषित कर सभी स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए हैं। विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया कि पिछली पांच जनवरी से प्रारंभ हुई सत्र परीक्षाएं तीन फरवरी को संपन्न हुई। जिसके पश्चात पांच फरवरी से ही परीक्षा परिणाम

हकेंवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की तीन फरवरी को सम्पन्न हुई। सेमेस्टर सत्रांत आनलाइन सभी परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने शनिवार को एमबीए की परीक्षा परिणाम घोषित किए,जबकि सभी स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के नतीजे रविवार को घोषित कर दिए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने बताया कि पिछली 5 जनवरी से प्रारंभ हुई परीक्षाएं 3 फरवरी को संपन्न हुई। जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बीवॉक-रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल मैनेजमेंट व बायोमडिकल साइंसेज, एलएलएम आदि के घोषित हैं।

विश्व पुस्तक मेला कल से, केंद्रीय शिक्षा मंत्री करेंगे शुभारंभ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: साहित्य के महाकुंभ विश्व पुस्तक मेले का इस बार वर्चुअल आयोजन छह से 12 मार्च तक होगा। इस 29वें मेले का शुभारंभ शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक करेंगे। इस मेले में पहली बार यूक्रेन और अमेरिका भी भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त चीन, फ्रांस, श्रीलंका, नेपाल, स्पेन, यूके, ईरान, फ्रांस, यूएई सहित 15 से अधिक देशों के प्रकाशक भी प्रतिभागी होंगे।

गुरुवार को आयोजित डिजिटल पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के चेयरमैन प्रो. गोविंद प्रसाद शर्मा ने कहा कि इस बार मेले में करीब 135 प्रकाशक भाग ले रहे हैं, जबकि 160 से अधिक स्टाल बनाए गए हैं। पुस्तक मेले की थीम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 है, जिसके लिए वर्चुअल थीम हाल भी तैयार किया गया है। इसमें प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक की किताबें उपलब्ध होंगी। एनबीटी के निदेशक कर्नल युवराज मलिक ने कहा कि कोविड के चलते पहली बार पुस्तक मेले के वर्चुअल आयोजन में पाठकों का प्रवेश निःशुल्क होगा। 360 डिग्री वर्चुअल अनुभव पाठकों के लिए यादगार रहेगा। इस दौरान लेखक और साहित्यकारों के साथ परिचर्चा के अलावा पुस्तक लोकार्पण समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

एनबीटी द्वारा प्रकाशित सभी पुस्तकों का अपना अलग विशेष हाल बनाया जाएगा। वहीं नहीं इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर भी एनबीटी मौजूद है, जिसके जरिये पाठक विश्व पुस्तक मेले से जुड़ सकेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने तीसरे व 5वें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए

तीन फरवरी को सम्पन्न हुई परीक्षाएं, एक माह के भीतर सभी नतीजे घोषित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) द्वारा तीसरे व 5वें सेमेस्टर की 3 फरवरी को सम्पन्न हुई ऑनलाइन परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए हैं। विवि की परीक्षा शाखा ने शनिवार को एमबीए की परीक्षा परिणाम घोषित कर सभी स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए हैं। स्टूडेंट्स परीक्षा परिणाम विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों को बधाई दी। विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने बताया 5 जनवरी से शुरू हुई परीक्षाएं 3 फरवरी को सम्पन्न हुई थीं।

जिसके पश्चात 5 फरवरी से ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया जारी है। बी. वॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट व बायोमेडिकल साइंसेज, एलएलएम, संस्कृत, योग, गणित, पुस्तकालय विज्ञान, मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, अंग्रेजी, हिन्दी, रसायन विज्ञान, सांख्यिकी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, एम.कॉम, मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मनोविज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी, बॉयोकेमिस्ट्री, न्यूट्रिशन बायोलॉजी, एमबीए, बी.टेक आदि सहित सभी स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के तीसरे सेमेस्टर व 5वें सेमेस्टर की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

4 Mar 2021

प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण पा रहे हकेंविवि के छात्र

■ इंजीनियरिंग में अध्ययरत विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में इंटर्नशिप के अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव के विभिन्न प्रयासों में भी जुटा है। विवि में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए आवश्यक इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के लिए भी विश्वविद्यालय की ओर से कोरोना संकट के बीच उल्लेखनीय कदम उठाए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

यह प्रशिक्षण देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पीठ के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह हमारी

महेंद्रगढ़। इंटर्नशिप के दौरान व्यावहारिक प्रशिक्षण लेते हकेंविवि के विद्यार्थी।

प्राथमिकता है कि विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण व कार्यक्षेत्र की समझ विकसित करने के लिए इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग भी प्रदान की जाए और इस दिशा में हम लगातार प्रयासरत हैं। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अधिष्ठाता डा. अजय कुमार बंसल ने बताया कि इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। यह हमारे पाठ्यक्रमों का नियमित पक्ष है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है और वह बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय है।

इन कंपनियों में छात्र

इन कंपनियों में गोदरेज, मारथोन, नेक्सजोन लिमिटेड, फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, पारस इंफ्रास्टक्चर लिमिटेड, बीएल गुप्ता कंसट्रक्शन लिमिटेड, सीपी डब्ल्यूडी, मप्रेक्स सिस्टम प्राइवेट आदि के नाम प्रमुख है। डा. गर्ग ने बताया कि इंटर्नशिप के दौरान कई कंपनियां विद्यार्थियों को एक निर्धारित राशि व रहने के सुविधा भी प्रदान कर रही हैं। इसी तरह विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए कंपनियों द्वारा रोजगार के लिए भी आवश्वस्त किया जा रहा है। इनमें रितु और मनीषा के नाम प्रमुख हैं जिन्होंने अपनी इंटर्नशिप में आईआईटी के साथियों के बीच उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में इंटर्नशिप के अवसर

महेंद्रगढ़ | हकेंवि विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव के विभिन्न प्रयासों में भी जुटा है। विवि में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए आवश्यक इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के लिए विवि की ओर से उल्लेखनीय कदम उठाए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत विवि के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। यह प्रशिक्षण प्रतिष्ठित कंपनियों में कराए जा रहे हैं। विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा यह हमारी प्राथमिकता है कि विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग भी प्रदान की जाए। डॉ. अजय कुमार बंसल ने बताया कि इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण हेतु विभिन्न संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान व व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है। इंटर्नशिप के लिए एमओयू पर विचार किया जा रहा है।

मदरसा शिक्षा को विषय के रूप में देंगे मान्यता : निशंक

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि हम सबके विकास को लक्ष्य बना रहे हैं। इसलिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) अब तक करीब 500 मदरसों से जुड़ा है। जल्द ही 100 और सालभर में 500 मदरसों से जुड़ने का हमारा लक्ष्य है। इसके साथ ही मदरसा शिक्षा को हम एनआईओएस में विषय के रूप में भी मान्यता देंगे।

एनआईओएस में बोलते शिक्षा मंत्री।

ताकि मदरसों में पढ़ रहे छात्र भी शैक्षणिक व सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनकर देश के विकास में योगदान दे सकें। निशंक ने मंगलवार शाम सेक्टर 62 स्थित एनआईओएस में पाठ्यक्रम विमोचन कार्यक्रम के दौरान यह बातें कहीं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई देशों की मांग पर जल्द ही हम प्रवासियों के लिए कुछ हिंदी पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। एनआईओएस की कुछ शाखाएं विदेशों में भी हैं, कुछ और खोली जाएंगी। कई विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ भी टाईअप भी किए जाएंगे ताकि नवीनतम पाठ्यक्रमों की सुविधा दे सकें।

757 STUDENTS GET DEGREES ONLINE

Mahendrgarh: The Central University of Haryana (CUH) organised its 7th convocation online. Union Minister of State for Education Sanjay Dhotre attended it online as a chief guest. Addressing students, Dhotre said new education policy 2020 had been enforced to make India a 21st century global knowledge superpower. The multidisciplinary approach of the New Education Policy provides ample opportunities for the comprehensive growth of the students. He called upon the students to dream big and not remain satisfied with small goals. Vice-Chancellor Prof RC Kuhad informed a total 757 students were given away PhD, MPhil, graduate and postgraduate degrees.

The Tribune Tue, 02 March 2021 https://epaper.tribune

नीट के लिए एक-दो दिन में शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एनटीए ने पूरी की नोटीफिकेशन की तैयारी, एक अगस्त को होगी यह परीक्षा
- छात्रों की मांग को देखते हुए तारीखों का पहले ही हो चुका है एलान

मेडिकल में प्रवेश से जुड़ी नीट (नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) परीक्षा 2021 में शामिल होने वाले छात्रों का इंतजार अब जल्द ही खत्म होगा। अगले एक-दो दिनों में ही देश भर में इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फिलहाल इसकी तैयारी पूरी कर दी है। साथ ही संकेत दिए हैं कि जल्द ही इसे लेकर नोटीफिकेशन जारी कर दिया जाएगा।

नीट परीक्षा का लेकर एनटीए तारीख का एलान पहले ही कर चुका है। इसके तहत यह परीक्षा इस बार एक अगस्त को होगी। कोरोना के चलते वर्ष 2020 में यह परीक्षा सितंबर में हुई थी, जो कोरोना संकटकाल की सबसे बड़ी परीक्षा थी। इसमें करीब चौदह लाख छात्रों ने हिस्सा लिया था। हालांकि इस बार परीक्षा की तारीखों की घोषणा तो कर दी गई थी, लेकिन आवेदन की प्रक्रिया नहीं शुरू हुई थी। इसके चलते छात्र चिंतित भी थे। हालांकि एनटीए ने अब इसकी तैयारी पूरी कर दी है। एनटीए से जुड़े अधिकारियों की मानें तो अगले एक-दो दिनों में ही इससे जुड़ा नोटीफिकेशन जारी हो जाएगा। फिलहाल एनटीए ने इस बार नीट की परीक्षा हिंदी सहित ग्यारह भाषाओं में कराने का एलान किया है। अभी तक यह हिंदी, अंग्रेजी सहित कुछ ही भारतीय भाषाओं में आयोजित होती थी। इसके साथ ही यह परीक्षा पहले की तरह पेन और पेपर मोड में ही आयोजित होगी।

शिक्षा मंत्रालय ने वैसे तो इस बार इस परीक्षा को साल में दो बार कराने की योजना बनाई थी। इसके लिए मंत्रालय ने स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ कई दौर की बैठक भी की थी, लेकिन यह योजना आगे नहीं बढ़ पायी। इसके साथ ही मंत्रालय ने पेन और पेपर मोड की जगह इस परीक्षा को कंप्यूटर बेस कराने की भी योजना बनाई थी, जो सफल नहीं हो सकी।

STUDENTS' INDUCTION PROGRAMME

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) organised a 'students induction programme' wherein Prof Markanday Ahuja, Vice-Chancellor, Gurugram University, as special guest described the induction programme as very important for the students. He highlighted the guru-shishya tradition and said education continued throughout life.

The Tribune Mon, 01 March 2021
https://epaper.tribuneind

पुरातन विज्ञान के भारतीय मूल्यों की पोषक है नई शिक्षा नीतिः कुहाड़

महेंद्रगढ़ ,प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की याद में रविवार 28 फरवरी को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम का विषय 'विज्ञान, तकनीक और नवाचार का भविष्यः शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव' रहा। इस आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की जबकि कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईआईटी, कानुपर के प्रो. ए.के. अग्रवाल और रॉसलिन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर और चेयर ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी, एडनबर्ग, यूके के डायरेक्टर प्रो. ब्रूस वाइट लॉ ने ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में जारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल विकास और कार्यक्षेत्र के स्तर पर सकारात्मक बदलवों के लिए प्रयास करने हेतु युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि भारतीय पुरातन काल से ही विज्ञान के मामले में समृद्ध रहे हैं। रामायाण, महाभारत सरीखे भारतीय पौराणिक ग्रंथों में इसके प्रमाण देखने को मिलते हैं तथा नई शिक्षा नीति भी अपने उसी ज्ञान को समाहित किए हुए है जो कि अतीत की विरासत को संजोते हुए भविष्य की राह दिखाती है। कुलपति ने इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए भारतीय विज्ञान और उसके महत्त्व पर गहराई से प्रकाश डाला। पतंजलि, चरक संहिता, योग, आयुर्वेद में वर्णित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को व्यक्त किया।

पंजाब केसरी Mon, 01 March 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/58767

‘पुरातन विज्ञान के भारतीय मूल्यों की पोषक है नई शिक्षा नीति: कुहाड़’

‘विज्ञान, तकनीक और नवाचार का भविष्य: शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव’ विषय पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 28 फरवरी (परमजीत, मोहन): नोबल पुरस्कार विजेता डा. सी.वी. रमन की याद में रविवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम का विषय ‘विज्ञान, तकनीक और नवाचार का भविष्य: शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव’ रहा। इस आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की जबकि कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आई.आई.टी., कानपुर के प्रो. ए.के. अग्रवाल और रॉसलिन इंस्टीच्यूट के डायरैक्टर और चेयर ऑफ एनिमल बायोटैक्नोलॉजी, एडनबर्ग, यू.के. के डायरैक्टर प्रो. ब्रूस वाइट लॉ ने ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित किया। विश्वविद्यालय

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का स्वागत करते हुए प्रो. सतीश कुमार।

के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में जारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल विकास और कार्यक्षेत्र के स्तर पर सकारात्मक बदलवों के लिए प्रयास करने हेतु युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि भारतीय पुरातन काल से ही विज्ञान के मामले में समृद्ध रहे हैं। रामायाण, महाभारत सरीखे भारतीय पौराणिक ग्रंथों में इसके प्रमाण देखने को मिलते हैं तथा नई शिक्षा नीति भी अपने उसी ज्ञान को समाहित किए हुए है जो कि अतीत की विरासत को संजोते हुए भविष्य की राह दिखाती है।

कुलपति ने इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए भारतीय विज्ञान और उसके महत्व पर गहराई से प्रकाश डाला। पतंजलि, चरक संहिता, योग, आयुर्वेद में वर्णित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने बताया कि हम भारतीय किस तरह से विज्ञान के मोर्चे पर हजारों वर्षों से पथ प्रदर्शक रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने इस अवसर पर 7 सूत्रों के माध्यम से भविष्य की राह भी दिखाई। पहला वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, दूसरा समाज उपयोग रिसर्च पर जोर, तीसरा जनहित में अनुदान राशि का अधिकतम उपयोग, चौथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, पांचवां विभागीय स्तर पर वैज्ञानिक क्षमताओं का विकास, छठा विभागों के बीच आपसी समन्वय और सहयोग विकसित करना और सातवां व सबसे प्रमुख नई शिक्षा नीति में वर्णित वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ भारतीय मूल्यों का विकास और विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा देना। प्रो. कुहाड़ ने विज्ञान दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों को शामिल करने पर आयोजकों को बधाई दी।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित आई.आई.टी., कानपुर के प्रो. ए.के. अगवाल ने फ्यूचर प्रोसपैक्ट ऑफ ग्रीन एंड एन्वायरनमैंट फ्रैंड ली मैथेनॉल इकोनॉमी विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में भारत सहित विश्व में बढ़ती वैकल्पिक ऊर्जा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से मैथेनॉल के माध्यम से इस चुनौती का समाना किया जा सकता है। उन्होंने इस विषय में जागरूकता फैलाने पर जोर दिया और कहा कि यह वह माध्यम है जिसकी उपलब्धता से ऊर्जा संकट के साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याओं का निदान भी संभव है। इसी कड़ी में रॉसलिन इंस्टीच्यूट ऑफ चेनस चेयर ऑफ एनिमल बायोटैक्नोलॉजी, एडनबर्ग, यू.के. के डायरैक्टर प्रो. ब्रूस वाइट लॉ ने केंद्रीब्यूशन ऑफ जिनोम एडिटिंग टू फ्यूचर लिवस्टॉक हैल्थ विषय पर उनके द्वारा जारी शोध पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम उल्लेखनीय बदलावों की ओर अग्रसर हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर ऑनलाइन भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीपक पंत ने दिया।

केंद्रीय विवि में विज्ञान, तकनीक और नवाचार पर हुआ मंथन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की याद में रविवार को हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। विवि में विज्ञान दिवस पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम का विषय ‘विज्ञान तकनीक और नवाचार का भविष्य शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव’ रहा। आयोजन की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने की। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईआईटी, कानपुर के प्रो. ए. के. अग्रवाल और रॉसलिन इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर और चेयर ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी, एडनबर्ग, यूके के डायरेक्टर प्रो. ब्रूस वाइट लॉ ने ऑनलाइन संबोधित किया। कुलपति ने विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में जारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल विकास और कार्यक्षेत्र के स्तर पर सकारात्मक बदलावों के लिए प्रयास करने हेतु युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। आईआईटी, कानपुर के प्रो. ए.के अग्रवाल ने फ्यूचर प्रोस्पेक्ट ऑफ ग्रीन एंड एन्वायरनमेंट फ्रेंडली मेथनॉल इकोनॉमी पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सतीश कुमार व प्रो. दीपक पंत ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं में विज्ञान के प्रति रूचि को बढ़ाना रहा।

ऑनलाइन भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता के ये रहे विजेता

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर ऑनलाइन भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई। भाषण में आसनसोल की आकांक्षा ने तृतीय, पानीपत के जितेंद्र ने द्वितीय तथा राजकीय महाविद्यालय, बहादुरगढ़ के कमल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल श्रेणी में यदुवंशी स्कूल की आस्था ने तृतीय, सेहलंग के मोहित ने द्वितीय तथा आरपीएस के दीपांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विवि स्तर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार की छात्रा एना जोन्स तृतीय, राजनीति विज्ञान विभाग के बृजेश द्वितीय तथा स्नातक पाठ्यक्रम की छात्रा निमिषा प्रथम स्थान पर रहीं। चित्रकला में विद्यालय स्तर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नांगलचौधरी के सुमित कुमार को द्वितीय, लैंडमार्क इंटरनेशनल स्कूल के देवांश जांगड़ा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। महाविद्यालय श्रेणी में राजकीय महाविद्यालय, बहादुरगढ़ की पूजा को तृतीय स्थान, छाजूराम मेमोरियल कॉलेज, हिसार की प्रमिला को द्वितीय स्थान व राजकीय महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद की अंजलि को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसी तरह विवि श्रेणी के अंतर्गत हकेंवि के रसायन विज्ञान विभाग की वैशाली का तृतीय, विद्युत अभियांत्रिकी के अक्षत कांत को द्वितीय और रसायन विज्ञान विभाग की वंशिका हंडूजा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीपक पंत ने दिया।

औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए हुआ चयन

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के नौ विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया के द्वारा चयन हुआ है। विद्यार्थियों के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के द्वारा विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ उसकी बारीकियों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि व्यावहारिक ज्ञान वाले पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण मिलता रहे।

प्रो. आरसी कुहाड़ ●

कुलपति ने विभाग के सभी अध्यापकों को भी शुभकामनायें दीं और बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूलभूत उद्देश्यों को होटल प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रम चरितार्थ करने का काम सुचारु रूप से कर रहे है। होटल प्रबंधन पाठ्यक्रम में सम्मोहित अकादमिक एवं औद्योगिक आयामों का समन्वय विद्यार्थियों को अपने चहुंमुखी विकास के लिए प्रेरित करता है। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से हुआ। उन्होंने बताया कि रेडिसन ब्लू होटल, नयी दिल्ली प्रतिष्ठित होटल है जो विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के समय उनके सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण रूप से सेवारत रहता है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से निश्चित रूप से ही विद्यार्थी अपनी प्रतिभा आयाम स्थापित करेंगे। डा. सिंह ने बताया कि किसी भी क्षेत्र में कौशल विकास के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण का एक अहम योगदान होता है। कोरोना जैसी महामारी के समय में भी होटल उद्योग प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। रेडिसन ब्लू होटल, नयी दिल्ली के मानव संसाधन शाखा के प्रबंधक अनुराग शर्मा ने बताया की विभाग के सभी विद्यार्थी साक्षात्कार के समय बेहद ही सुनियोजित रूप से उपस्थित रहे एवं अपनी प्रतिभा का बेहद की सकारात्मक रूप से प्रदर्शन किया।

औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए चयनित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ● जागरण

उन्होने यह भी कहा की निश्चित रूप से अपने प्रशिक्षण के समापन के उपरांत सभी विद्यार्थी होटल उद्योग में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन करेंगे। इस अवसर पर विभाग के अध्यापकों शिखा, विकास मोहन, विकास सिवाच एवं डा. दिलबाग सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।